Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan



कक्षा - 11

लेखाशास्त्र - II

अध्याय - 8

वित्तीय विवरण - 1

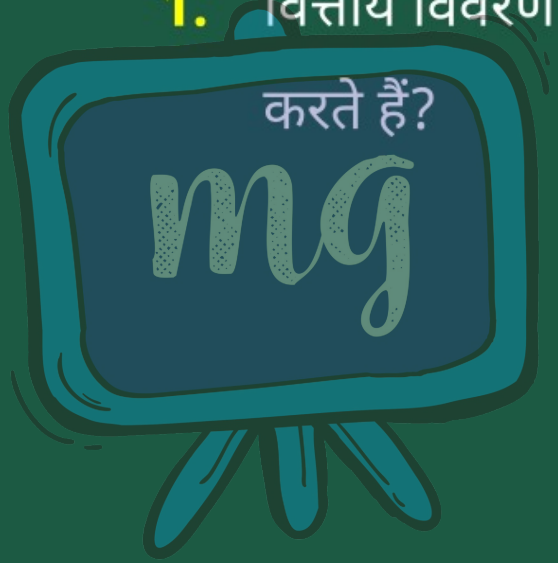
भाग - 6

अभ्यास प्रश्न - II

मनीष कुमार सोनी

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरण क्या होते हैं? ये क्या सूचनाएँ प्रदान करते हैं?



दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरण क्या होते हैं? ये क्या सूचनाएँ प्रदान करते हैं?

उत्तर : वित्तीय विवरण-प्रत्येक व्यापारी अपने व्यापार की लाभ-हानि तथा आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करना चाहता है। प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों, खाताबही व तलपट से ये जानकारियाँ प्राप्त करना सम्भव नहीं है। इसलिए व्यापारी तलपट की सहायता से ऐसे खाते व विवरण तैयार करता है।

जिनसे व्यापार की लाभ-हानि व आर्थिक स्थिति का ज्ञान हो सके। इन खातों व विवरण को ही वित्तीय विवरण के नाम से जाना जाता है। अन्य शब्दों में, वित्तीय विवरण वह विवरण है जो किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान की प्रक्रिया पर आवर्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है तथा दिये गये समयावधि में अपने उद्देश्यों की प्राप्ति को प्रदर्शित करता है। वित्तीय विवरण प्रायः लेखावर्ष या वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बनाये जाते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ वित्तीय विवरण में निम्नलिखित विवरण व खाते तैयार किये जाते हैं :-

- ✧ व्यापारिक खाता,
- ✧ लाभ-हानि खाता,] Trading And P & Loss A/c
- ✧ तुलन-पत्र। → Balance sheet



☛ वित्तीय विवरणों से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:

1. व्यापारिक खाते से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:



- ✧ सकल लाभ एवं उनकी दर
- ✧ प्रत्यक्ष खर्चे
- ✧ व्यापार के निवल अथवा शुद्ध क्रय, निवल विक्रय एवं रहतिये की जानकारी।

2. लाभ-हानि खाते से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:
   - ✧ निवल लाभ या हानि की जानकारी
   - ✧ निवल लाभ की दर
   - ✧ समस्त अप्रत्यक्ष व्ययों की जानकारी
3. तुलन-पत्र से प्राप्त होने वाली सूचनाएँ:
   - ✧ व्यापार की आर्थिक स्थिति।
   - ✧ रोकड़ व बैंक शेष, व्यापार के निवल लाभ, आहरण, पूँजी में कमी या वृद्धि।

अभ्यास प्रश्न

- देनदारों व प्राप्य बिलों की राशि।
- लेनदारों व देय बिलों की राशि।
- वर्ष के अन्त में अदत्त व्यय, पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित आय व अनुपार्जित आय की राशि।
- व्यापार की अन्य देयताओं तथा परिसम्पत्तियों की जानकारी।
- विभिन्न प्रकार के कोष एवं संचयों की राशि।

2. अंतिम प्रविष्टियां क्या होती है? अंतिम प्रविष्टियों के चार उदाहरण दें। (closing entries)



2. अंतिम प्रविष्टियां क्या होती है? अंतिम प्रविष्टियों के चार उदाहरण दें।

उत्तर : अन्तिम प्रविष्टियाँ (Closing Entries) प्रत्येक व्यवसाय में लेखा वर्ष के दौरान हुए विभिन्न व्यवहारों का जर्नल में लेखा करने के पश्चात् उनकी खाताबही में खतौनी की जाती है। इसके पश्चात् वर्ष के अन्त में विभिन्न खातों को बन्द करके खातों के शेषों की सहायता से अन्तिम खाते तैयार किये जाते हैं।

व्यक्तिगत खातों (देनदार व लेनदार खाते) तथा सम्पत्तियों व दायित्वों के खातों के लिए अन्तिम प्रविष्टियाँ आवश्यक नहीं होती हैं । इन खातों का शेष निकालकर इन्हें चिट्ठे के सम्पत्ति या दायित्व पक्ष में दिखाते हैं। जिन खातों का डेबिट शेष होता है उन्हें चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में तथा क्रेडिट शेष वाले खातों को दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

इसके अतिरिक्त नाममात्र के खातों (Nominal Accounts) को अन्तिम प्रविष्टि के माध्यम से बन्द कर दिया जाता है जिसके प्रभाव से इन सभी नाममात्र खातों का अन्तिम शेष व्यापारिक व लाभ-हानि खाते में दिखाया जाता है। खाता बही में खुले हुए नाममात्र के खातों को बन्द करने के लिए जो प्रविष्टियाँ की जाती हैं उन्हें ही अन्तिम प्रविष्टियाँ कहते हैं।

अन्य शब्दों में, वित्तीय वर्ष के अन्त में नाममात्र या अवास्तविक खातों के शेषों को व्यापार खाता एवं लाभ-हानि खाते में जिन प्रविष्टियों के द्वारा स्थानान्तरित किया जाता है, उन्हें अन्तिम प्रविष्टियाँ कहते हैं । अन्तिम,प्रविष्टियों में सकल लाभ या सकल हानि तथा शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि को हस्तान्तरित की जाने वाली प्रविष्टियाँ भी शामिल होती हैं।

☛ निम्न खातों को अन्तिम प्रविष्टियों के द्वारा बन्द किया जाता है:

- ✧ व्यापार खाते के डेबिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;
- ✧ व्यापार खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;
- ✧ क्रय वापसी व विक्रय वापसी खाता;
- ✧ लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;
- ✧ लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाये जाने वाले खाते;
- ✧ आहरण खाता।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. व्यापार खाते की डेबिट पक्ष की मदों के लिए

Trading a/c Dr.

- To Opening Stock a/c
- To Purchases a/c (शुद्ध क्रय की राशि से)
- To Manufacturing Expenses a/c
- To Carriage Inward a/c
- To Wages a/c
- To Motive Power a/c
- To Coal & Fuel a/c
- To Gas & Water a/c

2. व्यापार खाते की क्रेडिट पक्ष की मदों के लिए

Trading a/c
By Sales
By closing st.

Sales a/c	Dr.	
Closing Stock a/c	Dr.	
To Trading a/c		

(Being transfer of various credit balances to trading a/c)

3. क्रय वापसी खाते के लिए

Purchase Returns a/c	Dr.	
To Purchases a/c		

(Balance transferred)

4. विक्रय वापसी खाते के लिए

Sales a/c Dr.

To Sales Returns a/c

(Balance transferred)



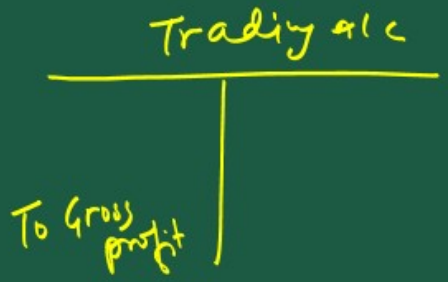
व्यवहार में क्रय वापसी को कुल क्रय की राशि में से घटा दिया जाता है एवं विक्रय वापसी को कुल विक्रय की राशि में से घटा दिया जाता है।

क्रय वापसी एवं विक्रय वापसी को व्यापार खाते में हस्तान्तरित करने पर क्रय वापसी को व्यापार खाते के जमा पक्ष में एवं विक्रय वापसी को नाम पक्ष में दिखाया जा सकता है।



अभ्यास प्रश्न

5. सकल लाभ के लिए अन्तिम प्रविष्टि



Trading a/c Dr.

To P & L a/c

(Gross Profit transferred)

6. सकल हानि के लिए अन्तिम प्रविष्टि

P & L a/c Dr.

To Trading a/c

(Gross Loss transferred)

7. लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष की मदों के लिए

P & L a/c Dr.

To Interest on Loan a/c

To Rent a/c

To Commission a/c

To Salary a/c

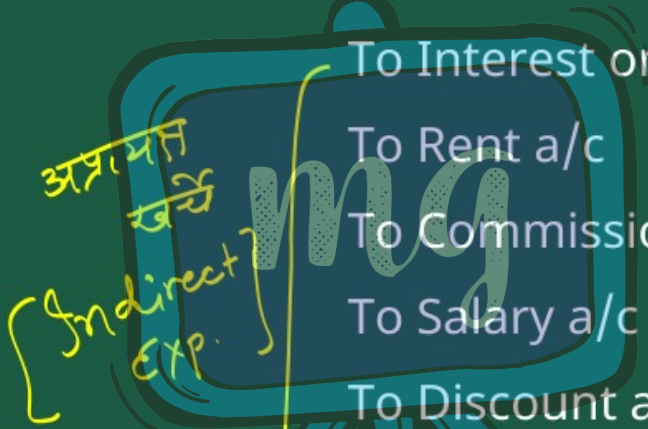
To Discount a/c

To Depreciation a/c

To Insurance Premium a/c

To Administrative Expenses a/c

To Selling Expenses a/c



8. लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष की मदों के लिए

Discount Received a/c Dr.

Commission Received a/c Dr.

Interest Received a/c Dr.

To P & L a/c

(Accounts having credit balances closed by transfer to P & L a/c)

9. शुद्ध लाभ के लिए अन्तिम प्रविष्टि

P & L a/c Dr.

To Capital a/c

(Net Profit transferred)

10. शुद्ध हानि के लिए अन्तिम प्रविष्टि

Capital a/c		Dr.
	To P & L a/c	
(Net Loss transferred)		

11. आहरण खाते को बन्द करने के लिए

Capital a/c		Dr.
	To Drawings a/c	
(Balance of Drawings a/c transferred)		

यदि आहरण पर ब्याज है तो इस खाते का शेष सर्वप्रथम आहरण पर ब्याज खाते के आहरण खाते में स्थानान्तरित किया जायेगा तथा इस कारण आहरण खाते का योग बढ़ जायेगा। इसकी निम्न प्रविष्टि की जाती है

Drawings a/c Dr.

To Interest on Drawings a/c

(Balance transferred)

3. तुलन-पत्र की उपयोगिता की व्याख्या करें।
(Balance sheet)



3. तुलन-पत्र की उपयोगिता की व्याख्या करें।

उत्तर : तुलन-पत्र (Balance Sheet) की उपयोगिता-

तुलन-पत्र एक तिथि विशेष (प्रायः वर्ष के अन्त में) पर परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों की वित्तीय स्थिति को ज्ञात करने के लिए तैयार किया जाता है। इसकी उपयोगिता निम्न प्रकार है –

☛ तुलन-पत्र से व्यापार की वित्तीय/आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलती है।

- तुलन-पत्र के द्वारा रोकड़ व बैंक शेष, व्यापार के शुद्ध लाभ, आहरण, पूँजी में कमी या वृद्धि की जानकारी प्राप्त होती है।
- व्यापार के देनदारों व प्राप्य बिलों (Bills Receivable) से प्राप्त होने वाली राशि की जानकारी होती है।
- व्यापार के लेनदारों व देय बिलों (Bills Payable) को भुगतान की जाने वाली राशि ज्ञात होती है।

- वर्ष के अन्त में अदत्त व्यय, पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित आय व अनुपार्जित आय की राशि की जानकारी मिलती है।
- नये वर्ष के प्रारम्भ में प्रारम्भिक प्रविष्टियाँ पिछले वर्ष के अन्त में बनाये गये तुलन-पत्र की सहायता से ही की जाती हैं।
- व्यापार की स्थायी सम्पत्तियों का मूल्यांकन व वर्ष के अन्त में बचे हुए अन्तिम स्टॉक की जानकारी भी तुलन-पत्र से मिलती है।

- व्यापार के अल्पकालीन व दीर्घकालीन दायित्वों की राशि ज्ञात करने हेतु तथा इनके द्वारा व्यापार की अल्पकालीन व दीर्घकालीन शोधन क्षमता (भुगतान करने की क्षमता) की जाँच करने हेतु भी तुलन-पत्र उपयोगी है।
- तुलन-पत्र से प्राप्त जानकारियाँ आन्तरिक उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ बाह्य उपयोगकर्ताओं के लिए भी बहुत उपयोगी होती हैं।

4. संपत्ति व दायित्वों के क्रमवही करण व समूहीकरण का क्या अर्थ है। तुलन-पत्र को किस प्रकार क्रमबद्ध किया जा सकता है। इसकी व्याख्या करें।



4. संपत्ति व दायित्वों के क्रमवही करण व समूहीकरण का क्या अर्थ है। तुलन-पत्र को किस प्रकार क्रमबद्ध किया जा सकता है। इसकी व्याख्या करें।

उत्तर : सम्पत्तियों व दायित्वों का क्रमबद्धीकरण-तुलन-पत्र अथवा चिट्ठे में सम्पत्तियों व दायित्वों को एक विशेष क्रम में दिखाया जाता है। इसे ही सम्पत्तियों व दायित्वों का क्रमबद्धीकरण कहते हैं।

यह क्रमबद्धीकरण दो प्रकार से होता है:-

1. तरलता क्रम (Liquidity Order): इस क्रम के अन्तर्गत सम्पत्तियों को शीघ्रता से तरल होने या रोकड़ में परिवर्तित किये जा सकने वाले क्रम में दिखाया जाता है। जैसे सबसे अधिक तरल सम्पत्ति नकद शेष को सर्वप्रथम तथा अन्त में स्थायी सम्पत्तियों, ख्याति व पेटेन्ट को दिखाया जाता है। इसी प्रकार दायित्वों को उनके भुगतान की तीव्रता के अनुसार लिखा जाता है।

सबसे पहले भुगतान करने वाले दायित्व को पहले लिखा जाता है। जैसे--इस क्रम के अनुसार बैंक अधिविकर्ष को सबसे पहले व पूँजी को सबसे अन्त में दिखाया जायेगा।



अभ्यास प्रश्न

Balance Sheet as on .....

Liabilities		₹	Assets		₹
Current Liabilities :			Current Assets:		
Bank Overdraft		.....	Cash in Hand		.....
Collected Sales Tax		.....	Cash at Bank		.....
Bills Payable		.....	Bills Receivable		.....
Outstanding Expenses		.....	Sundry Debtors		.....
Sundry Creditors		.....	Accrued Income		.....
Income received in advance		.....	Stock:		
Long Term Liabilities:			Finished Stock	.....	
Bank Loan		.....	Work-in-progress	.....	
Loan on Mortgage		.....	Raw Material	.....	.....
Capital	.....		Fixed Assets:		
Add: Net Profit	.....		Furniture		.....
or			Plant & Machinery		.....
Less: Net Loss	.....		Building		.....
Less: Drawings	.....		Patents		.....
Less: Income-tax	.....		Goodwill		.....
		.....			.....

2. **निष्पादन या स्थायित्व क्रम (Permanance Order):** यह क्रम तरलता क्रम के बिल्कूल विपरीत होता इस क्रम के अनुसार सर्वप्रथम स्थायी सम्पत्तियाँ, उसके बाद चल-सम्पत्तियाँ व अन्त में तरल सम्पत्तियाँ (रोकड़ व बैंक शेष) दिखाई जाती हैं। दायित्व पक्ष में सर्वप्रथा पूँजी, उसके बाद दीर्घकालीन दायित्व तथा अन्त में चालू दायित्व को दर्शाया जाता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Balance Sheet as on .....

Liabilities	₹	Assets	₹
Capital		Fixed Assets:	
Add: Net Profit		Goodwill	.....
or		Patents	.....
Less: Net Loss		Building	.....
Less: Drawings		Plant & Machinery	.....
Less: Income-tax	.....	Furniture	.....
Long Term Liabilities :		Investments	.....
Loan on Mortgage	.....	Current Assets :	
Bank Loan	.....	Prepaid Expenses	.....
Current Liabilities :		Stock:	
Income received in advance	.....	Raw Material	
Sundry Creditors	.....	Work-in-progress	
Outstanding Expenses	.....	Finished Goods	.....
Bills Payable	.....	Accrued Income	.....
Collected Sales Tax	.....	Sundry Debtors	.....
Bank Overdraft	.....	Bills Receivable	.....
		Cash at Bank	.....
		Cash in Hand	.....
	.....		.....